# विशिष्ट बालकों का अर्थ, प्रकार एवं शिक्षा(Exceptional Child: Meaning,Type and Their Education)

**<u>विशिष्ट बालक कौन</u>**-विशिष्ट बालकों की परिभाषा कर पाना बड़ा ही कठिन काम है। इसका कारण यह है कि हम विशिष्टता शब्द का प्रयोग कई अर्थों में करते हैं। हमारे विद्यालय में हर वर्ग हर समाज और अलग-अलग परिवारों से बच्चे आते हैं ।यद्यपि यह सभी अलग-अलग होते हैं फिर भी सामान्य कहे जाते हैं । लेकिन इन सब बालकों में कुछ ऐसे भी बालक होते हैं। जो शारीरिक मानसिक शैक्षिक और सामाजिक गुणों की दृष्टि से दूसरे बालकों से भिन्न होते हैं।

**<u>एक सामान्य बालक की कुछ प्रमुख सामान्य विशेषताएं-</u>**

1-यह बालक बहुत ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं होते हैं बल्कि स्तर और शिक्षा के कारण मध्यम सोच रखते हैं।

2-सामान्य बालकों की शारीरिक बनावट अच्छी होती है।

3-इन बालकों का शरीर स्वस्थ होता है।

4-यह बालक उभय मुखी होते हैं।

5-इनमें कोई मानसिक बीमारी नहीं होती है।

6-यह बालक घर स्कूल और समाज में अच्छा समायोजन रखते हैं।

7-ऐसे बालकों की बुद्धि लब्धि 90 से 110 तक होती है।

8-ऐसे बालक अपने दोस्तों से अच्छी तरह से समायोजित रहते हैं।

9-ऐसे बालक सकारात्मक संवेग हो जैसे प्रेम आनंद का अनुभव अवांछित रूप से नहीं करते हैं।

10-इनकी शैक्षिक उपलब्धि अच्छी होती है यह असफलता का मुंह नहीं देखते हैं।

11-नकारात्मक संदेश जैसे क्रोध घृणा ईर्ष्या का अनुभव अवांछित रूप से नहीं करते हैं।

**<u>सामान्य तथा विशिष्ट बालकों में अंतर-</u>**

**<u>सामान्य बालक-</u>**

1-यह अवसादी होती है और जीवन को व्यवहारिक ढंग से जीने की इच्छा रखते हैं।

2-यह अच्छी शारीरिक बनावट रखते हैं।

3-यह उभय मुखी व्यक्तित्व रखते हैं।

4-इनका शरीर स्वस्थ होता है।

5-यह घर स्कूल और समाज में अच्छा समायोजन रखते हैं।

6-इनको कोई मानसिक बीमारी नहीं होती है और यह जल्दी तनाव और संघर्ष में नहीं आते हैं।

7-इनकी शैक्षिक उपलब्धि अच्छी होती है और यह असफलता का मुंह नहीं देखते हैं।

8-यह अपने दोस्तों से अच्छी तरह समायोजन कर लेते हैं।

9-इनकी बुद्धि लब्धि 90 से 110 के बीच होती है।

10-यह अपने संवेग  पर नियंत्रण रखते हैं।

11-यह ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं होते हैं बल्कि स्तर और शिक्षा की वजह से मध्यम सोच रखते हैं।

**<u>विशिष्ट बालक-</u>**

1-यह अति आवश्यक निराशावादी होते हैं और जीवन को ज्यादा व्यवहारिक नहीं मानते हैं।

2-इनकी शारीरिक बनावट अच्छी नहीं होती है।

3-यह अंतर्मुखी होते हैं।

4-यह  अस्वस्थ और नाजुक होते हैं।

5-इनका समायोजन अच्छा नहीं हो पाता है।

6-यह मानसिक बीमारियों से ग्रसित होते हैं।

7-इनकी शैक्षिक उपलब्धि या तो बहुत अच्छी होती है जो इनको प्रतिभाशाली बनाती है या फिर बहुत कम होती है।

8-यह समायोजन कर पाने में असमर्थ होते हैं।

9-इनकी बुद्धि लब्धि 0 या 10 से लेकर 140 या इससे भी अधिक के बीच हो सकती है ।

10-यह प्रायः संवेग ऊपर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं।

11-यह अति महत्वाकांक्षी होते हैं और शारीरिक और बौद्धिक पिछड़ेपन को याद नहीं रखते हैं।

**<u>विशिष्ट बालकों का वर्गीकरण या प्रकार-</u>**

विशिष्ट बालकों को कई तरह से बांटा गया है साधारण तौर पर इन कुछ है श्रेणियों में रखा जाता है और हर श्रेणी में दो या अधिक विशिष्ट बालकों के समूह आते हैं।

**"टेल्फोर्ड और सारे"** ने विशिष्ट बालकों का वर्गीकरण विचलन क्षेत्र के आधार पर किया है 6 क्षेत्र इन दोनों ने विचलन के बताए हैं।

1-बौद्धिक विचलन

2-संवेदी विचलन

3-गामक विचलन

4-व्यक्तित्व विचलन

5-सामाजिक विचलन

6-बुजुर्गों की समस्याएं

**आभा रानी** ने अपनी किताब विशिष्ट बालक उसका मनोविज्ञान और शिक्षा में छह श्रेणियों में अपराधी बालकों को रखा है यह श्रेणियां इस तरह से हैं।

1-बौद्धिक रूप से भिन्न

2-शारीरिक रूप से भिन्न

3-मौखिक संचार में भिन्न

4-मनो सामाजिक रुप से भिन्न

5-सांस्कृतिक रूप से भिन्न

6-वचन के आधार पर भिन्न

**डॉ भार्गव और लवानिया** ने विशिष्ट बालकों का वर्गीकरण इस प्रकार किया है।

1-शारीरिक रूप से विशिष्ट बालक-

भार्गव ने इसको तीन उप वर्गों में पुनः बांटा है।

*संवेदी रूप से विकलांग बालक

*गति रूप से विकलांग बालक

*बहुल विकलांग

2-मानसिक रूप से विशिष्ट बालक

*प्रतिभाशाली बालक

*मंदबुद्धि बालक

*सर्जनात्मक बालक

3-शैक्षिक रूप से विशिष्ट बालक

*शैक्षिक रूप से समृद्ध बालक

*शैक्षिक रूप से पिछड़ा बालक

*किसी आमुक विषय में सीखने की निर्योग्यता रखने वाले बालक

4-सामाजिक रुप से विशिष्ट बालक-

*सावेगिक रूप से परेशान बालक

* कुसमायोजित बालक

*समस्या बालक

*बाल अपराधी

इसी प्रकार **हेवार्ड और ओरलैंस्की ने** विशिष्ट बालकों के निम्न प्रकार बताएं।

1-प्रतिभाशाली बालक

2-मानसिक रूप से मंद बालक

3-शिक्षा असमर्थता से ग्रसित बालक

4-व्यवहार लोगों से ग्रसित बालक

5-संचार लोग जैसे भाषा दोष से ग्रसित बालक

6-दृष्टि दोष से ग्रसित बालक

7-श्रवण दोष से ग्रसित बालक

8-शारीरिक एवं अन्य स्वास्थ्य दृष्टि से ग्रसित बालक

9-गंभीर एवं बहु विकलांगता से ग्रसित बालक